Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

शुद्ध होता है।

Factors of Time Perception —

(1) length of time interval — प्रयोगात्मक अध्ययनों से यह प्रमाणित हो चुका है कि छोटी काल अवधि होने पर अधिमूल्यांकन तथा लम्बी काल अवधि होने पर लघु मूल्यांकन की संभावना अधिक होती है। लेकिन इस सम्बन्ध में कोई निश्चित निष्कर्ष प्राप्त नही हो सका है।

(2) Stimulus characteristics — उत्तेजनाएं सतत है या असतत है, तीव्रता कम है या अधिक, उत्तेजनाओं का प्रसार कम है या अधिक बातों का प्रभाव समय प्रत्यक्षीकरण की शुद्धता पर पड़ता है। इसी तरह जब व्यक्ति रोचक कार्यों में लगा रहता है तो वह ~~समय~~ काल अवधि को लघु मूल्यांकित करता है और जब वह अरोचक कार्यों में लगा रहता है तो काल अवधि को अधिमूल्यांकित करता है।

[3] Personal characteristics —

समय के प्रत्यक्षीकरण पर व्यक्ति के आयु, यौन, प्रेरणा, अभिरुचि, अभ्यास आदि का प्रभाव पड़ता है। अधिक आयु के लोग, कम आयु के लोगों की तुलना में समय का लघु मूल्यांकन करते हैं। प्रेरणा की कमी होने पर वह समय का अधिमूल्यांकन करते है। Hoagland ने इन्फ्लुइन्जा से पीड़ित रोगी को एक मिनट गिनती के सहारे व्यतीत करने के लिए कहा। देखा गया कि उसने अधिक बुखार की अवस्था में एक मिनट से

से पहले ही गिनती समाप्त कर ली। दोनों ने अपने अन्तःनिरीक्षण रिपोर्ट में बतलाया कि ऐसा लगता है कि समय धीरे-2 बीत रहा है। समय के इस अधि-मूल्यांकन का कारण अधिक शारीरिक ताप तथा मस्तिष्क-चयापचय की बढ़ी हुई गति है।

लेकिन समस्या यह है कि व्यक्ति किस आधार पर समय का मूल्यांकन करता है—

Lips के अनुसार memory image के आधार पर व्यक्ति समय का मूल्यांकन करता है।

Schumann (1893) ने ध्यान किया से सम्बन्धित संकेतों को समय-मूल्यांकन का आधार माना। काल-अवधि के सम्बन्ध में निर्णय देने का मुख्य आधार ध्यान-तनाव है। काल अवधि की ओर ध्यान देने से तनाव उत्पन्न होता है और जैसे-2 काल अवधि लम्बी होती जाती है, तनाव की मात्रा बढ़ती जाती है। तनाव अधिक होने पर समय का अधिमूल्यांकन होता है।

=

Scanned with CamScanner